

**The Maharaja Sayajiroa University of Baroda.  
Vadodara**

**DECLARATION**

I hereby declare that the thesis entitled “श्री अमृतलाल नागर और गंगाप्रसाद मिश्र के कथा साहित्य में प्रतिबिम्बित लखनऊ का जन-जीवन” which is submitted herewith to The Maharaja Sayajirao University of Baroda, Vadodara for the fulfillment of the award of the degree of Doctor of Philosophy in Hindi is the result of the work carried out by me under the able Guidance of **Dr. Dipendrasinh Jadeja, Professor,** Department of Hindi, Faculty of Arts, The Maharaja Sayajirao University of Baroda, Vadodara.

I declare that the research work has not been previously submitted/presented for any other degree.

**Researcher**

**Vijay Prakash Yadav**

**Ph.D. Registration No. : FOA/1405**

**Date of Registration : 26/10/2015**

**Date : 26/02/2022**

**Place : Vadodara**

**महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा,**

**वडोदरा (गुजरात)**



### **घोषणा-पत्र**

प्रमाणित किया जाता है कि महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा (गुजरात) के कला संकाय (हिन्दी विभाग) की पीएच. डी. उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध प्रबंध **प्रो० दीपेन्द्रसिंह जाडेजा** के निर्देशन में सम्पन्न किया गया, जिसका शीर्षक **“श्री अमृतलाल नागर और गंगाप्रसाद मिश्र के कथा-साहित्य में प्रतिबिम्बित लखनऊ का जन-जीवन”** है। मैं यह घोषणा करता हूँ कि यह मेरा स्वयं का मौलिक कार्य है। मेरी जानकारी के अनुसार इस शोध-शीर्षक पर विश्वविद्यालय या अन्य विश्वविद्यालय तथा किसी अन्य संस्था एवं पूर्व में इस प्रकरण पर कोई शोधकार्य नहीं किया गया है।

**दिनांक :**

**शोधार्थी**

**स्थान :**

**विजय प्रकाश यादव**